क्या दंत प्रत्यारोपण करवाने के बाद सब ठीक हो जाएगा?

दाँतों के इलाज में दंत प्रत्यारोपण का इस्तेमाल गायब दाँत के प्रतिस्थापन के लिए होता है। दंत प्रत्यारोपण टाइटेनियम जैसी जैव-अनुकूल सामग्री से बना होता है। इसे जबड़े की हड्डी में रोपित किया जाता है, और यह कृत्रिम एकल क्राउन के सहारे के लिए दाँत की जड़ के तौर पर काम करता है। दंत प्रत्यारोपण दंत ब्रिज अथवा हटाए जाने योग्य डेंचर के रूप में कृत्रिम दाँतों के समूह को सहारा देने के लिए जोड़-स्थल के तौर पर भी काम कर सकते हैं।

लोगों को यह गलतफहमी हो सकती है कि दंत प्रत्यारोपण कराने के बाद आगे फिर कभी मुँह संबंधी समस्याएं नहीं रहेंगी। हालाँकि दंत प्रत्यारोपण और इसे सहारा देने वाले कृत्रिम दाँतों में सड़न नहीं होती, परंतु यदि मौखिक स्व-देखभाल पर्याप्त न हो, तो दंत प्रत्यारोपण के इर्द-गिर्द के ऊतकों में दिक्कतें होंगी। ऊतकों में शोथ हो सकता है और यह पेरी-इंप्लांटिटिस का रूप ले सकता है। दंत प्रत्यारोपण ढीला हो सकता है और अंततः बाहर निकल सकता है। इसलिए, दंत प्रत्यारोपण के लंबे समय तक चलने के लिए बेहतर मौखिक स्वच्छता बनाए रखने के लिए दीर्घकालिक रखरखाव आवश्यक है।

क्या दंत प्रत्यारोपण प्लेसमेंट हमेशा सफल रहता है?

दंत प्रत्योरोपण प्लेसमेंट एक मामूली मौखिक सर्जरी है। इसकी सफलता दर सामान्य स्वास्थ्य स्थिति और जबड़े की हड्डी की दशा पर निर्भर करती है। यदि शरीर की स्वास्थ्य लाभ क्षमता बढ़िया होगी, तो दंत प्रत्यारोपण प्लेसमेंट की सफलता की संभावनाएं बेहतर होंगी। दूसरी तरफ, शोधकर्ताओं ने यह दर्शाया है कि धूम्रपान करने वालों, मधुमेह पीड़ितों, फिलहाल या अतीत में मसूड़ों के गंभीर रोगों से पीड़ित व्यक्तियों इत्यादि के मामले में दंत प्रत्यारोपण प्लेसमेंट में ज्यादा जटिलताएं अथवा असफलता की उच्च दर रह सकती है।

दंत प्रत्यारोपण के सहारे वाले कृत्रिम दाँतों की देखभाल कैसे करें?

दाँतों की मैल जमा होने और दंत प्रत्यारोपण के इर्द-गिर्द के ऊतकों के शोथ की रोकथाम करने के लिए सुबह और प्रत्येक रात सोने से पहले मुँह की कैविटी की अच्छी तरह से सफाई आवश्यक है।

- एकल दंत प्रत्यारोपण:
  मौखिक स्वयं-देखभाल के तरीका प्राकृतिक दाँत की देखभाल के समान है। मसूड़ों के बीच की जगह में ब्रश करें, तथा दाँतों के बीच की सतहों को साफ करने के लिए डेंटल फ्लॉस या इंटरडेंटल ब्रश का इस्तेमाल करें।

- प्रत्यारोपण के सहारे वाला दंत ब्रिज:
  यदि कृत्रिम दाँतों को दो अथवा ज्यादा दंत प्रत्यारोपण जोड़-स्थलों से सहारा दिया गया हो, तो इनकी सफाई का तरीका पारंपरिक दंत ब्रिज की तरह ही रहता है। चूँकि कृत्रिम दाँतों और मसूड़ों के बीच की जगह में फासला होता है, इसलिए दंत प्रत्यारोपण के इर्द-गिर्द और इस फासले की सफाई के लिए सुपरफ्लॉस या इंटरडेंटल ब्रश का इस्तेमाल करना आवश्यक है।

- हटाए जाने योग्य ऊपरी या निचली डेंचर:
  डेंचर को बाहर निकालें, और इसके बाद दंत प्रत्यारोपण जोड़-स्थलों को घुमावदार रूप से साफ करने के लिए सिंगल-टफ्ट टूथब्रश का इस्तेमाल करें। इस डेंचर को भी पारंपरिक डेंचर की तरह ही साफ करें। प्रत्येक रात को सोने से पहले डेंचर को बाहर निकालें, डेंचर के प्रत्येक हिस्से को साफ करने के लिए मुलायम टूथब्रश तथा डिटर्जेंट जैसे सफाई करने वाले पदार्थ का इस्तेमाल करें। तब इसे पानी से साफ करें, और रातभर के लिए पानी के गिलास में डुबोकर रख दें।

दंत प्रत्यारोपण की प्लेसमेंट के बाद ध्यान रखने योग्य अतिरिक्त बातें

दंत प्रत्यारोपण के सहारे वाले कृत्रिम दाँत चबाने की क्षमता बढाने में मदद कर सकते हैं। फिर भी, यदि इनका उचित रखरखाव नहीं हो तो, कई समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं जैसे पेरी-इंप्लांटिटिस जिससे दर्द होता है या फोड़ा बन जाता है और इससे अंततः चबाने संबंधी समस्या उत्पन्न हो सकती है।

दंत प्रत्यारोपण और इसके सहारे वाले कृत्रिम दाँतों की उम्र बढ़ाने के लिए, निम्निलिखित की जानकारी होनी चाहिए:

1. कृत्रिम दाँत को टूटने से बचाने के लिए सख्त खाद्य पदार्थों जैसे सूखे मेवे, सख्त कैंडी इत्यादि को बार-बार चबाने से बचें।
2. लंबी अवधि तक ज़ोर से चबाने से बचें, अन्यथा पेंच या प्रत्यारोपित फिक्सचर अंततः ढीला पड़ सकता है या टूट सकता है।
3. धूम्रपान प्रत्यारोपित फिक्सचर के इर्द-गिर्द के ऊतकों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है; इसलिए धूम्रपान छोड़ना आवश्यक है।
4. दंत प्रत्यारोपण इलाज के बाद, दाँतों की नियमित जाँच कराना आवश्यक है। यदि कोई समस्या आती है, तो जल्द ही इसकी पहचान की जा सकती है और इलाज किया जा सकता है।
5. यदि प्रत्यारोपित दाँत का ढीला पड़ना या दंत प्रत्यारोपण के आसपास के ऊतक से तकलीफ जैसी कोई असामान्य बात महसूस की जाती है या पता लगाई जाती है, तो जाँच और आगे के इलाज के लिए यथाशीघ्र दंत-चिकित्सक के यहाँ जाना आवश्यक है।